

## प्रीलमिस फैक्ट्स: 16 अप्रैल, 2020

- [नहिंग](#)
- [पराइमोरडियल ब्लैक होल](#)
- [सवयं प्रभा टीवी चैनल](#)
- ['देखो अपना देश' वेबिनार शुरुंखला](#)

### नहिंग Nihang

हाल ही में पंजाब राज्य के पटयाला में नहिंग (Nihang) सखिों के एक समूह ने पंजाब पुलिस के एक अधिकारी पर हमला किया।



### मुख्य बदि:

- नहिंग सखि योद्धाओं का एक वर्ग है जो नीले वस्त्र, तलवार एवं भाले जैसे पुरातन हथियारों तथा स्टील की खूंटियों से सजाई गई पगड़ी धारण करते हैं।
- मूल रूप से 'नहिंग' शब्द संस्कृत भाषा के 'निःशांक' से उपजा है जिसका अर्थ भय रहति, नषिकलंक, पवतिर, ज़मिमेदार और सांसारिक लाभ एवं आराम के प्रतर्त्तिदासीन होता है।
- माना जाता है कि वर्ष 1699 में गुरु गोबदि सहि जी द्वारा खालसा के निर्माण के लिये नहिंग समूह का गठन किया गया था।
- ईस्ट इंडिया कंपनी के कर्नल जेम्स स्कनिर (1778-1841) के अनुसार, खालसा सखिों को दो समूहों में वभिजति किया गया था।
  - पहले वे जो नीले पोशाक पहनते हैं जो गुरु गोबदि सहि युद्ध के समय पहनते थे।
  - दूसरे वे जो किसी भी रंग की पोशाक पहनते थे।
- ये दोनों समूह योद्धाओं की जीवनशैली का अनुसरण करते थे। नहिंग (जो नीले वस्त्र धारण करते हैं) सख्ती से खालसा आचार संहिता का पालन करते हैं।
- नहिंग सांसारिक गुरु के प्रतर्त्तिकोई नषिठा नहीं रखते हैं। वे अपने गुरुद्वारों के ऊपर भगवा रंग के झंडे के बजाय नीले रंग का झंडा (नीला नशान साहबि) फहराते हैं।

### ऐतहासिक संदर्भ:

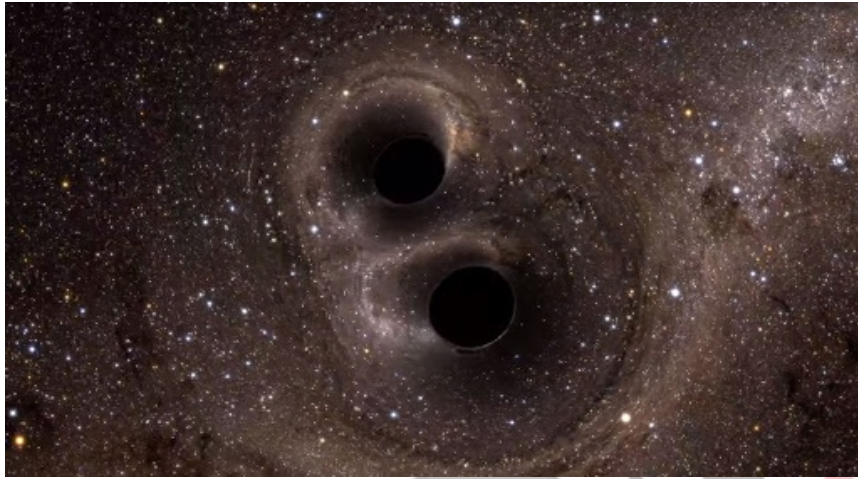
- वर्ष 1715 के बाद जब मुगलों द्वारा बड़े पैमाने पर सखिों की हत्याएँ की गईं तथा अफगान आक्रमणकारी अहमद शाह दुर्रानी (1748-65) के हमले के दौरान [सखि पंथ](#) की रक्षा करने में नहिंगों की प्रमुख भूमिका थी।

- नहिंणों ने अमृतसर के [अकाल तख्त](#) पर सखिों के धार्मिक मामलों को भी नयितरति कयिा । वे स्वयं को कसिी भी सखि प्रमुख के अधीनस्थ नहीं मानते थे और इस तरह उनहोंने अपना स्वतंत्र अस्तित्व बनाए रखा ।
- अमृतसर के अकाल तख्त में उनहोंने सखिों की भव्य परषिद (सरबत खालसा) का आयोजन कयिा और प्रस्ताव (गुरमाता) पारति कयिा ।
- जून 1984 में ऑपरेशन ब्लूस्टार (Operation Bluestar) के दौरान कुछ नहिंणों जैसे- अजीत सहि पोहला ने आतंकवादियों को खतम करने के लयि पंजाब पुलसि का साथ दयिा था ।

## प्राइमोर्डियल ब्लैक होल

### Primordial Black Hole

हाल ही में पुणे स्थति इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनामी एंड एस्ट्रोफिजिक्स (IUCAA) के एक वैज्ञानिक युगल ने प्राइमोर्डियल ब्लैक होल (Primordial Black Holes-PBH) का अध्ययन कयिा है जो ब्रह्मांड (जब यह तेज़ी से वसितार कर रहा था) के गतजि ऊर्जा स्तरों में एक छोटे से टकराव के परिणामस्वरूप पैदा हुए थे ।



#### मुख्य बदि:

- प्राइमोर्डियल ब्लैक होल हॉट बगि बैंग (Hot Big Bang) चरण के दौरान नरिमति हुए थे ।
- यह माना जाता है कयिे बड़े पैमाने पर तारों के पतन जो कसिी सामान्य ब्लैक होल को संदर्भति करते हैं, के विपरीत वकिरिणों के पतन के परिणामस्वरूप बनते हैं ।
- प्राइमोर्डियल ब्लैक होल 3000 किलोमीटर के क्षेत्र में वसितृत हो सकता है या एक परमाणु के नाभिकि की तरह बेहद छोटा हो सकता है ।

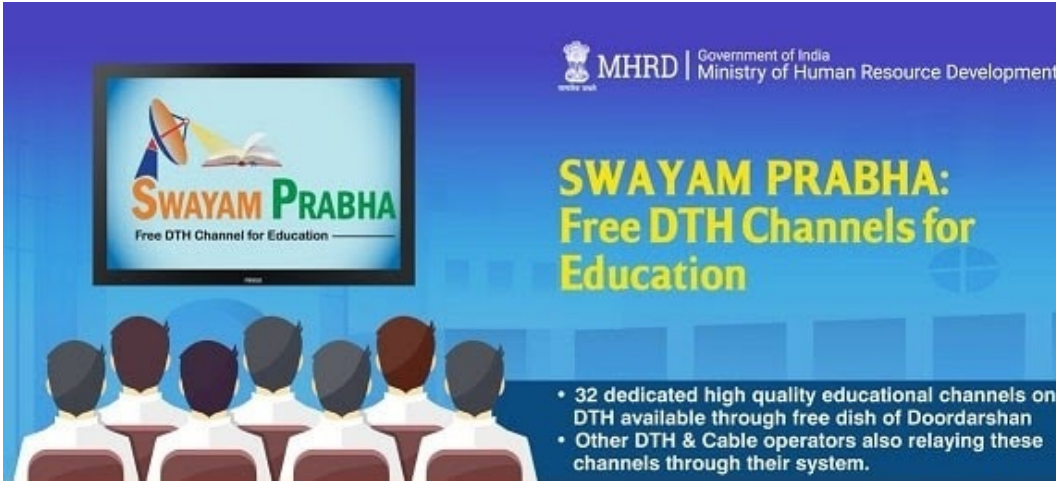
#### हालिया अध्ययन का नषिकर्ष:

- हालिया अध्ययन ने पुष्टिकी है कि गतजि ऊर्जा में इस मामूली वृद्धि के परिणामस्वरूप कई प्राइमोर्डियल ब्लैक होल का जन्म तथा शक्तिशाली गुरुत्वाकर्षण तरंगों का उत्सर्जन भी हुआ है ।
- लगभग 14 बिलियन वर्ष पहले जब हॉट बगि बैंग चरण (Hot Big Bang Phase) शुरू हुआ, ब्रह्मांड तेज़ी से सक्खि हुआ तथा त्वरति गति से वसितार कयिा ।
- विशेषज्ञों का कहना है कि ब्रह्मांड की यह घातीय वृद्धि एक समान ऊर्जा क्षेत्र एवं घनत्व की मौजूदगी से हुई कयोक ब्रह्मांड कॉस्मिक इन्फ्लेशन (Cosmic Inflation) चरण से गुजरा था ।
- वैज्ञानिकों के अनुसार, जैसे-जैसे समय बीतता रहा है इन्फ्लेशन क्षेत्र में प्रचलति यह एक समान ऊर्जा समाप्त हो गई है । परिणामस्वरूप ब्रह्मांड के सामान्य रूप से मंद होने की दर फरि से शुरू हो गई ।

## स्वयं प्रभा टीवी चैनल

### Swayam Prabha TV Channel

भारत सरकार का मानव संसाधन वकिस मंत्रालय (Ministry of Human Resource Development) ने [COVID-19](#) से उत्पन्न चुनौतीपूर्ण स्थिति से शकिषार्थियों की शकिषा प्रभावति न हो, इसके लयि जनिके पास इंटरनेट की पहुँच नहीं है उनको स्वयं प्रभा टीवी चैनल (Swayam Prabha TV Channel) के माध्यम से पाठ्यक्रम से संबंधति व्याख्यान प्रसारति करेगा ।



## मुख्य बढि:

- स्वयं प्रभा 32 DTH चैनलों का एक समूह है जो GSAT-15 उपग्रह का उपयोग कर 24X7 आधार पर उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षिक कार्यक्रमों के प्रसारण के लिये समर्पित है।
- इस चैनल को भास्कराचार्य इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस एप्लीकेशन एंड जियो-इंफॉर्मेटिक्स (BISAG), गांधी नगर (गुजरात) से जोड़ा गया है। इस चैनल के माध्यम से एनपीटीईएल, आईआईटी, यूजीसी, सीईसी, इग्नू, एनसीईआरटी और एनआईओएस द्वारा सामग्री प्रदान की जाती है।
- गांधी नगर (गुजरात) स्थिति सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क (INFLIBNET) केंद्र इसके वेब पोर्टल का रखरखाव करता है।

## सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क (INFLIBNET) केंद्र:

- INFLIBNET केंद्र, गुजरात के गांधीनगर में स्थिति मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अंतर्गत भारत के विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) का एक स्वायत्त अंतर-विश्वविद्यालय केंद्र है।
- प्रत्येक दिन कम-से-कम 4 घंटे के लिये वषिय वार नई सामग्री अपलोड होगी जो दिन में 5 बार दोहराई जाएगी, जिससे छात्रों को अपनी सुविधानुसार समय चुनने में मदद मिलेगी।

## डीटीएच चैनल नमिनलखिति को कवर करेंगे:

- उच्चतर शिक्षा: स्नातकोत्तर एवं स्नातक स्तर पर पाठ्यक्रम सामग्री जैसे कला, वज्जान, वाणजिय, प्रदर्शन कला, सामाजिक वज्जान एवं मानवकी, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, कानून, चकितिसा, कृषि आदि जैसे विविध वषियों को कवर करती है।
- स्कूल शिक्षा (9-12 स्तर): शिक्षकों के प्रशिक्षण के साथ-साथ भारत के बच्चों के लिये शिक्षण एवं प्रशिक्षण के लिये मॉड्यूल जो उन्हें वषियों को बेहतर ढंग से समझने में मदद करते हैं, शुरू किये गए हैं और पेशेवर डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश के लिये प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी उनकी मदद करते हैं।
- पाठ्यक्रम आधारित पाठ्यक्रम: ये चैनल भारत एवं वदिशों में जीवनभर सीखने वाले भारतीय नागरिकों की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं।

गौरतलब है कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु पहले से ही [सूटडी वेब्स ऑफ एकटवि लरनिंग फॉर यंग एस्पायरिंग माइंड्स](#) (SWAYAM) पोर्टल का संचालन कर रहा है।

## ‘देखो अपना देश’ वेबिनार शरुंखला

### ‘DEKHO APNA DESH’ WEBINAR SERIES

भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय ने 14 अप्रैल, 2020 से ‘देखो अपना देश’ वेबिनार शरुंखला (‘DEKHO APNA DESH’ WEBINAR SERIES) शुरु की।



## उद्देश्य:

- इस वेबिनार श्रृंखला का उद्देश्य भारत के कई गंतव्यों पर जानकारी देना तथा अतुल्य भारत की संस्कृति एवं वरिसत की गहरी एवं वस्तुतः जानकारी प्रदान करना है।

## मुख्य बडि:

- इस श्रृंखला का पहला वेबिनार 'सटि ऑफ सटिज- दलिली की परसनल डायरी' पर केंद्रित था। जसमें दलिली के लंबे इतहिस से अवगत कराया गया था क्योंकि इसमें दलिली के 8 शहरों के बारे में वस्तितर से बताया गया था।
- यह वेबिनार पर्यटन मंत्रालय के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म- इंस्टाग्राम एवं फेसबुक पर अतुल्य भारत के नाम से उपलब्ध होगा।
- इस श्रृंखला का अगला वेबिनार 16 अप्रैल, 2020 को सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक उपलब्ध कराया जाएगा और यह आगंतुकों को अद्भुत शहर कोलकाता (City Of Kolkata) के बारे में वस्तितर से परचिय कराएगा।

## वेबिनार (WEBINAR):

- वेब कॉन्फ्रेंसिंग शब्द का उपयोग वभिन्न ऑनलाइन सेवाओं के लिये किया जाता है। इसमें वेब कास्ट, वेबिनार (वेब सेमिनार) एवं पीयर-लेवल वेब मीटिंग शामिल हैं।
- इसे इंटरनेट प्रौद्योगिकियों द्वारा संभव बनाया गया है और इसमें एक प्रेषक से कई रसिवरों तक संचार एवं बहु स्तरीय संचार के लिये वास्तविक समय बडि की अनुमति प्रदान की गई है।